हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 178 | देहरादून, मंगलवार, 03 जनवरी, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

पुलिस अधीक्षक बने अफसरों को डीजीपी अशोक कुमार ने कहा 'बेस्ट ऑफ़ लक' 3

स्व0 हरंबंस कपूर के नाम पर होगा जी.जी.आई.सी कौलागढ़ का नाम : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कौलागढ़ के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय छात्रावास झड़ीपानी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय छात्रावास कौलागढ़ एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय छात्रावास कोरबा के शिलान्यास के साथ शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए स्मार्टशाला टी.वी. डिवाइस तथा स्पोकन इंग्लिश कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कौलागढ़ का नाम पूर्व विधायक हरबंस कपूर के नाम से किए जाने की घोषणा भी की। इस अवसर पर उन्होंने संपर्क स्मार्टशाला टी.वी. डिवाइस के माध्यम से चल रही कक्षाओं का अवलोकन किया एवं छात्राओं से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। समाज के गरीब एवं वंचित वर्गों के लोगों को भी शिक्षा के लिए पूरे अवसर मिले इसके लिए राज्य में जहां भी आवासीय छात्रावास बनाने की आवश्यकता होगी, इस दिशा में तेजी से प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि देश आजादी के अमृत महोत्सव में प्रवेश कर गया है। आने वाले 25 साल भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हमारे नौनिहाल भारत का भविष्य हैं। इनको अच्छी शिक्षा और संस्कार मिले यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू हो गई है। जिसके तहत 05 हजार बाल वाटिकाओं का संचालन पूरे राज्य में किया जा रहा है। प्रदेश में करीब 11 लाख छात्र - छात्राओं को किताबें, कपड़े, बैग, जूते, एवं अन्य सामग्री सरकार द्वारा मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही। राज्य में 9वीं से 12वीं कक्षा तक के सभी सरकारी एवं अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को भी मुफ्त में किताबें देने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। राज्य में कक्षा 01 से 08वीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को पहले से ही मुफ्त में किताबें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में 'हमारी विरासत' पुस्तक बच्चों को पढ़ाई जायेगी। इसमें उत्तराखण्ड के महापुरूषों की जानकारी के अलावा राज्य की ऐतिहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि की जानकारी भी बच्चों दी जायेगी।

राज्य में स्कूलों के पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कृषि से सबंधित जानकारियों का समावेश किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही एलटी अध्यापकों को नियुक्ति दी जायेगी। इन शिक्षकों को मुख्यमंत्री नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए अनेक कार्य किये गये हैं। बच्चों को हिन्दी के अलावा अंग्रेजी माध्यम में भी अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए अटल आदर्श विद्यालय खोले गये हैं। उन्होंने कहा प्रदेश के दूरस्थ गांवों में शिक्षा से संबंधित कार्यक्रम हो इसके लिए भी हमें प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी, सम्पर्क फाउण्डेशन के सी.ई.ओ विनीत नायर, स्कूलनेट संस्था के सी.ई.ओ लोकेश बजाज एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मौसम : भारत के इस शहर में -25 डिग्री तापमान, उत्तराखंड में तेज़ी से बढ़ी सर्दी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 , देहरादून से लेकर समूचे उत्तर भारत में इस समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में इस समय बर्फबारी तो मैदानी इलाके में शीतलहर ने लोगों की परेशानी बढ़ाई हुई है। IMD द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आज देश की राजधानी नई दिल्ली में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस रहा।IMD द्वारा जारी की गई एक लिस्ट के अनुसार आज लद्दाख के पदम इलाके में तापमान माइनस 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। देश में दूसरी सबसे ठंडी जगह जम्मू-कश्मीर राज्य का गुलमर्ग रहा। आज गुलमर्ग का तापमान -10 डिग्री सेल्सियस रहा। इस लिस्ट के अनुसार, आज उत्तराखंड के रानीचवाड़ी का तापमान -2.1 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि हिमाचल के केलांग में पारा -8.8 डिग्री सेल्सियस रहा।मौसम विभाग द्वारा जारी की गई लिस्ट के अनुसार, सोमवार 2 जनवरी को बठिंडा में न्यूनतम तापमान (Minimum Temperature) 0.4, हरियाणा के सिरसा में 3.4 डिग्री, दिल्ली के आयानगर में न्यूनतम तापमाम 5 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में तापमान न्यूनतम तापमान 5.4 रिकॉर्ड किया गया। पश्चिमी यूपी के मुजफ्फरनगर में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि राजस्थान के सीकर में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री व चुरू में 1.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रदेश की नई स्वास्थ्य महानिदेशक बनी डा० विनीता शाह को जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , सुदूर एवं ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना ही मेरा लक्ष्य है। यह बात नव-नियुक्त स्वास्थ्य महानिदेशक डा० विनीता शाह ने पदभार ग्रहण करते हुए कही। मूल रूप से नैनीताल निवासी डा० विनीता शाह ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा नैनीताल से प्राप्त करने के उपरान्त जी०एस०वी०एम० मेडिकल कॉलेज कानपुर से M.B.B.S & M.D की उपाधि प्राप्त की। इसके उपरान्त जनपद अल्मोड़ा से अपनी स्वास्थ्य सेवाएं प्रारम्भ करते हुये अपनी सेवा के 30 वर्ष प्रदेश के विभिन्न सुदूरवर्ती स्थलों यथा अल्मोड़ा, उत्तरकाशी एवं नैनीताल के विभिन्न चिकित्सालयों/कार्यस्थलों में सफलतापूर्वक कार्य सम्पादित किया गया। सुदूर एवं ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करना इनका मुख्य लक्ष्य है एवं अधिक से अधिक कर्मचारियों/अधिकारियों की समस्याओं का निराकरण, जो प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं, करने का प्रयास रहेगा, ताकि वे पूर्ण मनोयोग से आम-जनमानस को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्रदान कर सकें । इसके अतिरिक्त डा० विनीता शाह द्वारा बताया गया कि प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामैडिकल स्टॉफ के रिक्त पदों को जल्द भरने के प्रयास प्राथमिकता पर किये जायेंगे।

कहानी भारत रत्न की, मिलती हैं प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति जैसी सुविधाएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , क्या आप जानते हैं देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' की शुरुआत साल 1954 में हुई थी। 2 जनवरी 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारत रत्न की स्थापना की थी। तब से लेकर अब तक 48 लोगों को भारत रत्न से विभूषित किया जा चुका है, जिनमें कई विदेशी शख्सियतें भी शामिल हैं।'भारत रत्न' किसी भी क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। किसी शख्स ने कोई ऐसा कार्य किया हो जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा हो, से भारत रत्न मिल सकता है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के मुताबिक भारत रत्न किसी भी जाति, धर्म, पंथ, संप्रदाय या लिंग से ताल्लुक रखने वाले शख्स को दिया जा सकता है। भारत के अलावा विदेशी नागरिकों को भी यह सम्मान प्रदान किया जा सकता है।

कैसे मिलता है भारत रत्न ?

'भारत रत्न' देने की सिफारिश स्वयं प्रधानमंत्री करते हैं। पीएम द्वारा सिफारिश राष्ट्रपति के पास भेजी जाती है और राष्ट्रपति सम्मान देते हैं। किसी और औपचारिक अनुशंसा की जरूरत नहीं होती। नाम तय होने के बाद भारत सरकार राजपत्र के जरिए इसकी अधिसूचना जारी करती है। प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को भारत रत्न दिया जाता है। 2 जनवरी 1954 को जब 'भारत रत्न' की शुरुआत की गई थी तब सिर्फ जीवित शख्सियतों को यह सम्मान दिया जाता था। साल 1955 में मरणोपरांत सम्मान देने का प्रावधान भी जोड़ा गया।

'भारत रत्न' में क्या मिलता है ?

'भारत रत्न' के तहत एक पदक प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के साथ कोई धनराशि नहीं मिलती है। जब पहली बार 'भारत रत्न' की शुरुआत हुई तो इसका पदक 35 मिलीमीटर गोलाकार स्वर्ण पदक था और इस पर सूर्य बना हुआ था। ऊपर

हिंदी में भारत रत्न लिखा रहता था और नीचे की तरफ राष्ट्रीय चिन्ह और वाक्य लिखा होता था।बाद में भारत रत्न के पदक में बदलाव कर दिया गया। अब तांबे के बने पीपल के पत्ते पर प्लैटिनम का चमकता सूर्य बना दिखाई देता है, पदक का किनारा भी प्लैटिनम का है। पदक पर नीचे की तरफ चांदी में 'भारत रत्न' लिखा रहता है। पीछे की तरफ अशोक स्तंभ और इसके नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा होता है।

पीएम-राष्ट्रपति जैसा तगड़ा प्रोटोकॉल

भारत रत्न से विभूषित शख्सियतों को वारंट ऑफ प्रेसिडेंस में जगह मिलती है। इसी के आधार पर किसी सरकारी कार्यक्रम का प्रोटोकॉल तय किया जाता है। भारत रत्न से सम्मानित शख्स देश के लिए वीआईपी होता है, और उसी के आधार पर प्रोटोकॉल मिलता है। भारत रत्न को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री, देश के मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री, और संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के बाद जगह मिलती है।

मुफ्त में यात्रा, राज्य का मेहमान

'भारत रत्न' से सम्मानित शख्स को रेलवे से लेकर हवाई जहाज में आजीवन निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलती है। 'भारत रत्न' से सम्मानित कोई विभूति कहीं यात्रा करता है तो उस राज्य का स्टेट गेस्ट होता है। यात्रा के दौरान रहने से लेकर सुरक्षा तक की तमाम व्यवस्था राज्य को करनी होती है। भारत रत्न से सम्मानित शख्स के परिवार को भी तमाम सुविधाएं मिलती हैं। 'भारत रत्न' से सम्मानित शख्सियत डिप्लोमैटिक पासपोर्ट का भी हकदार होता है, जो सिर्फ डिप्लोमैट्स या टॉप सरकारी अधिकारियों को जारी किया जाता है। डिप्लोमैटिक पासपोर्ट के तहत एयरपोर्ट पर अलग इमिग्रेशन काउंटर से लेकर वीआईपी लाउंज ऐसी सुविधाएं होती हैं। सिक्योरिटी चेक में भी छूट मिलती है।

रूपकुंड : कंकालों की झील में बसे देवलोक का रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विशेष रिपोर्ट , देहरादून , 3 जनवरी , एक रहस्यमयी झील , दुनियाभर के लिए रोमांच रहस्य और सनसनीखेज देवभूमि , उत्तराखंड का ये हिस्सा हर देश के पर्वतारोहियों और ट्रेकर्स के लिए अजूबा भी है और चुनौती भी। एक ऐसी जगह जहाँ पर गर्मी का मौसम जब आता है, तब धीरे धीरे बर्फ़ पिघलने लगती है। उसी के साथ सैकड़ों मानवी कंकाल ऊपर आते है। इस जगह पर चारों और इंसान की खोपड़ियाँ और हड्डियाँ देखने मिलेगी। मन में हज़ारों सवाल उठे होंगे की इतने सारे लोगों की हड्डियां इस रूपकुंड झील में आयी कहा से? यहा पर ऐसा क्या हुआ था की इतने सारे लोग मारे गए थे? आइये पढ़ते हैं रहस्यमयी रूपकुंड की पूरी कहानी

रूपकुंड झील क्यों है दुनिया के लिए रहस्य ?

रूपकुंड को "कंकाल झील" या फिर "Mystery Lake" और "Skeleton Lake" भी कहा जाता है। भारत के उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में हिमालय के सबसे उच्च स्थान पर Roopkund Skeleton Lake स्थित है। इसकी ऊँचाई १६४७० फ़ीट (५०२० मीटर) तक है। इस झील की गहराई तकरिबन * मीटर तक है। रूपकुंड झील को पूरे उत्तराखंड राज्य में सबसे ऊंचाई वाली झील माना जाता है। हिमालय की चोटी पर यह झील होने की वजह से झील के आसपास के परिसर वीरान है। रूपकुंड झील बर्फ़ीले पहाड़ों के बीचों बीच बना हुआ है। Tourist भी खिंचे चले आते है। मानो इस झील की खूबसूरती हमें अपनी और खींच लाती है।

कहा जाता है की, रूपकुंड झील में जो मानव कंकाल मौजूद है उसकी खोज ९ वी शताब्दी से की जा रही है। १९४२ में नंदा देवी गेम रिज़र्व रेंजर H.K. Madhwal (Hari Kishan Madhwal) ने इन कंकालों के

बारे में जानने के लिए इस झील की फिर से खोज की थी। उन्हें इस रूपकुंड झील में और * ० कंकाल मिले और उनपर Study किए गए। Study के दौरान उन्हें यह पता चला की, जो कंकाल मिले उसमें से कुछ कंकालो के साथ अभी भी मांस जुड़े हुए है। साल में एक बार गरमी के मौसम में यहा का बर्फ़ पिघलने में एक महीना लगता है। बर्फ़ पिघलने के बाद झील के पानी में यह कंकाल पूरी तरह से साफ़ दिखाई देते है। वैद्यानिको को इस कंकालो के साथ और भी बहोत सारी चीज़ें मिली थी। जैसे की लकड़ी की चीज़ें, लोहे के भाले, चमड़े की चप्पल यहा तक की गहने भी मिले थे। इस जगह पर * ०० से ज़्यादा कंकाल पाए गए है। इस झील के बारे में अलग अलग बातें बतायी गयी है

जापानी सैनिकों के अवशेष ?

शुरुआत में माना जाता था की, यह अवशेष जापानी सैनिकों के है। क्योंकि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान भारत पर आक्रमण करने के लिए यह जपानी सैनिक हिमालय के बाकी इलाकों में से गुज़र रहे थे। मौसम खराब होने की वजह से उन सब की मौत हो गयी थी। उस वक्त ब्रिटिश सरकार भारत पर

शासन कर रही थी। सच्चाई का पता लगाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने जाँच पड़ताल के लिए वहां पर एक टीम भेजी थी। Research के बाद यह बात सामने आयी की यह कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे। क्यूँकि यह कंकाल सैकड़ों साल पुराने थे। लेकिन यहां रहने वाले लोग कुछ अलग कहानी को मानते है।

लोगों का मानना है की कुछ लोगों का समूह इस हिमालय की बर्फीली पहाड़ी में फस गया था। उनके पास बचने का कोई रास्ता नहीं था। और वो सभी लोग एक साथ मर गए। यह लोग नंदा देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे ऐसा माना जाता है। हिमालय में नंदा देवी का मंदिर है जो की हिंदुओं का श्रद्धा स्थान माना जाता है। रूपकुंड में हर १२ साल में एक बार "राज जात " नाम का उत्सव मनाया जाता है। उसी दौरान नंदा देवी की पूजा की जाती है। उस वक्त बड़ी दूर से लोग यहां आते है।

वैज्ञानिकों के Research के बात यह पता चला की, रूपकुंड झील में तकरिबन २०० कंकाल मिले है। यह कंकाल भारतीय आदिवासियों के है। और यह ९ वी शताब्दी के हो सकते है। इन आदिवासियों की मौत बर्फ़ीले तूफ़ान की वजह से हुई थी। इन कंकाल पर और भी रिसर्च हुए थे। इन कंकालो पर Harney et al (हार्नी एट अल) द्वारा जाँच की गयी। सन २०१८ में मालूम हुआ की इन कंकालो के भी दो अलग-अलग प्रकार के Groups थे। एक group में जो कंकाल मिले थे वो एक ही परिवार के सदस्य के है। और दूसरे Group में जो कंकाल मिले थे वो लोग थोड़े अलग थे। यानी की वह लोग क़द में थोड़े छोटे थे।इन कंकालो की वजह से Roopkund Lake पर्यटकों का आकर्षण बन गयी। बड़ी दूर दूर से लोग यहां आने लगे। ट्रेकर्स के लिए तो यह अद्भुत और रोमांचक जगह आज भी एक रहस्य है।

पुलिस अधीक्षक बने अफसरों को डीजीपी अशोक कुमार ने कहा 'बेस्ट ऑफ़ लक'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , नए साल पर पुलिस मुख्यालय से बड़ी और अच्छी खबर सामने आई है। डीजीपी अशोक कुमार ने सहायक पुलिस अधीक्षक से पुलिस अधीक्षक पद पर पदोन्नत हुए अफसरों को बधाई देते हुए उन्हें बैच से अलंकृत किया है। आपको बता दें कि सुश्री रेखा यादव, सर्वेश पंवार एवं चन्द्रशेखर आर. घोडके (समस्त आईपीएस 2019 बैच) 2, जनवरी, 2023 को पुलिस मख्यालय में अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड से भेंट करने पहुंचे थे । पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने उन्हें बेहद अहम टिप्स देते हुए मित्र पुलिस की छवि और जनता के बीच कुशल पुलिसिंग की अहम बातें बताई और अपराध मुक्त उत्तराखंड बनाने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद भी जताई है।

सावधान ! लैण्ड फ्राड करने वालों पर लगेगा गैंगस्टर : सोनिका , डीएम देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 जनवरी , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया जनसुनवाई में 76 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। आज प्राप्त शिकायतों में भूमि कब्जा, अतिक्रमण, शस्त्र लाईसेंस नवीनीकरण, सिंचाई गूल पर अतिक्रमण, पेयजल एवं सीवर कार्यों के उपरान्त सड़क का समतलीकरण किए जाने, आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त परिसर का आंगणन कराने, भारतीय नागरिकता हेतु किए गए आवेदन पर शीघ्र कार्यवाही करने, विद्युत बीजक माफ करने आदि शिकायतें प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी ने जनमानस की समस्या के निस्तारण हेतु प्रत्येक जनसुनवाई तथा तहसील दिवस पर एमडीडीए, नगर निगम, पुलिस सहित सम्बन्धित समस्त विभाग जिनसे सम्बन्धित अधिक शिकायतें प्राप्त होती हैं को तहसील दिवस में भी प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित किया साथ ही वन विभाग के अधिकारियों रोस्टरवार जनसुनवाई में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए। साथ समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में जो भूमि अतिक्रमणमुक्त की गई का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करें।

पिछले सप्ताह आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त सुश्री मंचल बाला आराघर हरिद्वार रोड की शिकायत जिसमें उन्होंने जलसंस्थान द्वारा पेयजल लाईन बिछोये जाने के दौरान नालिया बन्द होने की शिकायत पर जल संसथान को निर्देशित किया जाने पर भी निस्तारण न होने तथा शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत को दुबारा लेकर पंहुचने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जल संस्थान के सम्बन्धित अभियन्ता का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। बंजारावाला में पेयजल हेतु खोदी गई सड़क को समतलीकरण करने की शिकायत पर जल संस्थान के अधिकारियें को रोड़ ठीक करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आशियाना विहार कालोनी टर्नर रोड अतिक्रमण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एमडीडीए के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी एक-दूसरे पर बात न टालें बल्कि त्वरित कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटायें।

सिंचाई विभाग की गूल पर अतिक्रमण की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों संयुक्त निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। शिमला बाईपास पर सड़क निर्माण न होने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी सदर एवं नगर निगम के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मेहूवाला में अतिक्रमण मुक्त की गई भूमि पर पुनः अतिक्रमण किये जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करने तथा सम्बन्धित कार्मिक पर भी कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही लैण्ड फ्राड करने वालों पर गैंगस्टर लगाने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम जगदीश लाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, पुलिस अधीक्षक अपराध मिथिलेश, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आर सी तिवारी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अखिलेश मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 विद्याधर कापड़ी तहसीलदार सदर सोहन सिंह रांगड़, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सहित जल संस्थान, पेयजल निगम, विद्युत, समाज कल्याण, एमडीडीए आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लेडी इंस्पेक्टर आरती सिंह तंवर पेश कर रही एक मानवीय मिसाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , इंटरनेट सेंसेशन बनने के लिए आजकल लोग कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं, हम आपको जिनके बारे में बताने जा रहे हैं, उनके बारे में जानने के बाद आप भी इस बात को मान लेंगे कि लोगों के बीच सुर्खियां बटोरने और इंटरनेट सेंसेशन बनने के लिए इंस्टाग्राम रील्स में डांस करना और गाना ही जरूरी नहीं बल्कि आप किसी नेक और सामाजिक कार्य के जरिए भी लोगों के बीच अपनी खास पहचान बना सकते हैं.

Image instagrammed by artisinghtanwar

इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर लाखों फॉलोअर्स

हम बात करे रहे हैं राजस्थान पुलिस (Rajasthan Police) में सब-इंस्पेक्टर ₹आरती सिंह तंवर₹ (Sub Inspector Arti Singh Tanwar) , जो आज कल लोगों के बीच चर्चा में छाई हैं. आरती सिंह सब-इंस्पेक्टर होने के साथ ही सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चित हैं और अपने लुक और वर्किंग स्टाइल को लेकर उनके इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर भी लाखों फॉलोअर्स हैं.आरती सिंह तंवर के सभी कार्य लोगों को आश्चर्यचकित करने के साथ ही लोगों के लिए मिसाल भी पेश करते हैं. आरती के वीडियो, उनके मोटिवेशन, उनके साइबर अवेयरनेस के टिप्स इन दिनों सुर्खियों में हैं. पुलिस विभाग में काम करने के साथ-साथ एक आइडियल कोच एवं साइबर अपराधों से बचने के लिए टिप्स देने वाली आरती सिंह सोशल मीडिया पर लाखों लोगों के लिए उम्मीद की एक किरण बन गईं हैं. सब-इंस्पेक्टर होने के दायित्वों को निभाने के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में आरती सिंह द्वारा किए गए सभी कार्य सराहनीय हैं.

पिता और बड़ी बहन से मिली प्रेरणा

दिलचस्आप बात ये है कि आरती के परिवार के ज़्यादातर सदस्य पुलिस में ही सेवारत हैं. वो साल 2012 में राजस्थान पुलिस में भर्ती हुई और साल 2014 में सब-इंस्पेक्टर बनी. सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और मोटिवेशन और साइबर अवेयरनेस के टिप्स देती हैं, ताकि किसी के साथ फ्रॉड न हो.आरती सिंह के पिता भी राजस्थान पुलिस के रिटायर्ड ऑफिसर हैं, और आरती की बड़ी बहिन वर्तमान में राजस्थान पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत है. इन्हें देखकर ही आरती सिंह के मन में भी पुलिस ऑफिसर बनने का विचार आया.

ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से लाखों बच्चों को देती हैं गाइडेंस

अपने यूट्यूब चैनल एवं ऑफिसियल वेबसाइट के माध्यम से आरती सिंह तंवर लाखों बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रही हैं और समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए टिप्स भी देती हैं. विभिन्न यूट्यूब वीडियो के जरिए से सटीक जानकारी उपलब्ध कराती हैं और आज के प्रतियोगी युग में कैसे तैयारी करें, इन सभी बातों के लिए अपना अनुभव शेयर करती हैं. आरती सिंह आज लाखों बच्चों के लिए एक गाइड की तरह हैं, जो उन्हें ये बताने में मदद कर रही हैं, कि कठिन से कठिन परीक्षा में भी सफलता कैसे पाई जा सकती है. कुछ बच्चे ऐसे भी हैं, जिन्हें परिवार का सपोर्ट नहीं मिल पाता है, उन बच्चों के लिए आरती सिंह एक हिम्मत और सहारा हैं

साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने की मुहिम

आज के समय में साइबर अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं. हमारी जरा सी लापरवाही उन साइबर अपराधियों के लिए एक पहल बन जाती है. ऐसे में राजस्थान पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात वन वूमैन आर्मी के नाम से विख्यात ₹आरती सिंह तंवर₹ साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक मुहिम चला रही हैं, जिसमें वे यूट्यूब शॉर्ट वीडियो के जरिए विभिन्न साइबर अपराधों के बारे में जानकारी एवं उनसे बचने के लिए ऑनलाइन टिप्स देती हैं. ऐसी पुलिस अफसर को हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस का सलाम

अगर मूड हो खराब तो खाएं ये स्पेशल फूड्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

1. डार्क चॉकलेट-

डार्क चॉकलेट को सेहत के लिए बेहद गुणकारी माना जाता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर हेल्दी रखने के साथ मूड को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकते हैं. डार्क चॉकलेट खाने से स्ट्रेस को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है.

2. बींस-

बींस को पोषण का भंडार कहा जाता है. रोजाना बींस के सेवन से शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मदद मिल सकती है. आपको बता दें कि बींस में विटामिन बी12, फोलिक एसिड जैसे गुण पाए जाते हैं, जो मूड को खुश रखने में मदद कर सकते हैं.

3. मछली-

मछली में मौजूद प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मदद कर सकते हैं. इतना ही नहीं इसमें डोपामाइन हार्मोन और सेरोटोनिन हार्मोन पाए जाते हैं, जो मूड को अच्छा रखने में मदद कर सकते हैं.

4. ग्रीन टी-

ग्रीन टी को बेस्ट ड्रिंक माना जाता है. रोजाना सुबह ग्रीन टी का सेवन कर शरीर को कई लाभ मिल सकता है. ग्रीन टी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो मूड को रिलैक्स करने में मदद कर सकते हैं.

न्यूज़ वायरस रिसर्च टीम की भी यही सलाह है कि आप बेवजह तनाव न लें और जितना हो सके हल्का फुल्का मजाक और खुशनुमा वातावरण में वक़्त गुज़ारे। दफ्तर हो या घर या फिर दोस्तों के बीच , खुद को पॉजिटिव सोच के साथ इन्वॉल्व कीजिये , हां अगर फिर भी तनाव महसूस हो तो हमारे सुझाये गए फूड्स को एकबार ज़रूर खाएं।

दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक सड़कों पर निकलना सबसे जोखिम भरा, जानिए क्यों

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक सरकारी रिपोर्ट से पता चलता है कि 2021 में तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में देखे गए पैटर्न के अनुसार, शाम 6 बजे से 9 बजे के बीच के समय अंतराल ने 2021 में सड़क दुर्घटनाओं की अधिकतम संख्या दर्ज की।

दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे के बीच का समय सड़क दुर्घटनाओं के मामले में दूसरा सबसे जोखिम भरा समय था, जिससे दोपहर और शाम का समय सड़क पर होना सबसे खतरनाक था क्योंकि इसमें कुल दर्ज सड़क दुर्घटनाओं का लगभग 39% शामिल था।दूसरी ओर, रात 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच की समयावधि को सबसे सुरक्षित माना गया क्योंकि 2021 में पंजीकृत कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 10% से भी कम समय को देखा गया।सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं - 2021' से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या सबसे अधिक है।

तमिलनाडु ने 2021 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज कीं।सड़क दुर्घटनाओं के स्थानिक और अंतर-कालिक वितरण पर विस्तार से बताते हुए, रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि सड़क दुर्घटनाएं

और दुर्घटना से संबंधित मौतें शहरी की तुलना में ग्रामीण घटना अधिक थीं।"इसलिए, 2021 में, लगभग 69 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं, जबकि शहरी क्षेत्र में देश में कुल मौतों का 31 प्रतिशत हिस्सा था," यह कहा।आंकड़ों के अनुसार, 2021 में, भारत में सड़क दुर्घटनाओं ने लगभग 1.5 लाख लोगों की जान ले ली और 3.8 लाख से अधिक लोगों को चोटें आईं। सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक प्रभावित आयु वर्ग 18-45 वर्ष का था, जो सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतों का लगभग 67 प्रतिशत था।

अगर आप सर्दियों में घूमने की कर रहे है, प्लानिंग तो आ जाइये उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

घूमने का असली मजा तो सबसे ज्यादा सर्दियों में ही आता, इस बात से तो आप भी सहमत होंगे और हो भी क्यों न, इस दौरान न पसीने टपकने की चिंता होती है और न ही किसी और चीज़ की। विंटर्स में आप जैकेट्स पहनकर कहीं भी पूरा दिन घूम सकते हैं और अगर ऐसे में बर्फ और मिल जाए, तो वाह सोने पर सुहागा वाली कहावत पूरी हो जाती है। अगर आप भी इन सर्दियों में बर्फ वाली कोई ठंडी जगह देख रहे हैं, तो चलिए आपको उत्तराखंड की उन खूबसूरत जगहों के बारे में बताते हैं, जहां विंटर्स पर बर्फ ही बर्फ पड़ती है।

1. औली अगर आप औली जा रहे हो तो सबसे पहले तो वहां की खूबसूरती का आनंद उठाना चाहिए। अगर आपको ट्रेकिंग करने का शौक है. तो औली में ज्यादा नहीं लेकिन छोटे-छोटे ट्रेक पॉइंट है. जहां पर आप ट्रैक कर सकते हैं। इसके अलावा यहां पर काफी स्पोर्ट्स एक्टिविटी भी है। यहां पर आप बर्फ में गाड़ी चला सकते हैं और स्लेज भी कर सकते हैं। नवंबर से मार्च के बीच यहां हर टूरिस्ट का तांता लगा रहता है. दिसंबर से जनवरी के बीच यहां आए दिन स्नोफॉल होती रहती है.

2. धनोल्टी , गढ़वाल हिमालय श्रृंखला की तलहटी में मौजूद धनोल्टी एक जादुई हिल स्टेशन है। यह भारत की राष्ट्रीय राजधानी के करीब है. और समुद्र तल से 2286 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां आप ऊंचे-ऊंचे हिमालय के खूबसूरत नजारों का भरपूर मजा ले सकते हैं। सर्दियों

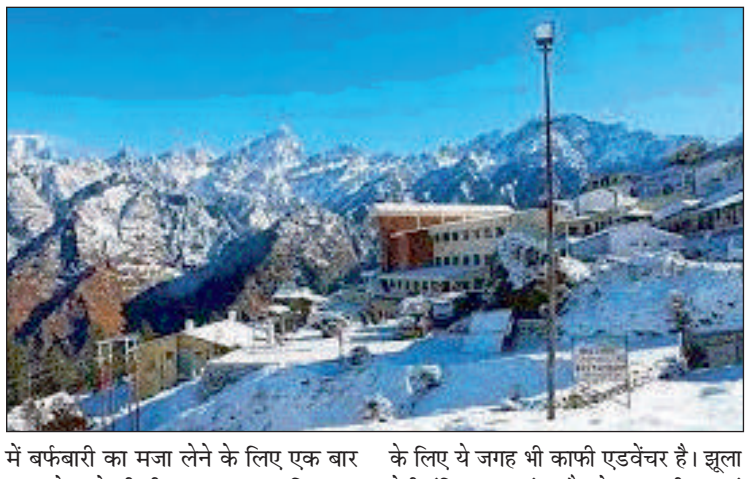

में बर्फबारी का मजा लेने के लिए एक बार आपको धनोल्टी भी जरूर जाना चाहिए।

3.मसूरी, पहाड़ो की रानी मसूरी फेमस हिल स्टेशन तो हमेशा से ही पर्यटको का सबसे पसंदीदा रहा है, लेकिन बर्फबारी के दौरान यहां की खूबसूरती और भी निखर कर सामने आती हैं। सफेद बर्फ की चादर में लिपटी मसूरी जन्नत सी नजर आती है। या यूं कह सकते हैं। सर्दियों में बर्फ का मजा लेना है तो मसूरी एक बेहतर च्वाइस है।

4. रानीखेत : स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा से लेकर पैराग्लाइडिंग और आसपास के अद्भुत नज़ारो का आनंद लेने के लिए आप अपने दोस्तों के साथ रानीखेत जा सकते हैं। कैंपिंग और ट्रेकिंग जैसी साहसिक गतिविधियों के लिए ये जगह भी काफी एडवेंचर है। झूला देवी मंदिर, भालू बांध और सेब का बगीचा यहां के सबसे प्रसिद्ध स्थान हैं।

5 . चोपता : सर्दियों में चोपता भी किसी बर्फ़बारी वाली जंगओ से काम नहीं , यहां की बर्फबारी को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते है। विंटर्स में यहां पहाड़ बर्फ की चादर से ढक जाते हैं। और तो और हरियाली भी सफेद पेंट की तरह दिखने लगती है। यहां का आकर्षण देख कर ,लोगों का दिल खुश हो जाता है। प्रकृति के सामने बनाए गए यहां के रिजॉर्ट में रहना भी किसी लग्जरी होटल से कम नहीं है। कार्तिक स्वामी मंदिर, कोटेश्वर मंदिर, चंद्रशिला ट्रेक और देवरिया ताल यहां के प्रमुख आकर्षण हैं, जिन्हें आपको एक बार जरूर देखना चाहिए।

भारत की 20 सदस्यीय विश्व कप शॉर्टलिस्ट डालिए उन खिलाड़ियों के नामों पर एक नज़र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीसीसीआई ने अपने प्रदर्शन की समीक्षा बैठक में 20 खिलाड़ियों की एक शॉर्टलिस्ट तैयार की। 2023 एकदिवसीय विश्व कप इस साल अक्टूबर में शुरू होगा और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके लिए टीम का निर्माण शुरू कर दिया है। अंतिम टीम के लिए 20 खिलाड़ियों की शॉर्टलिस्ट। इन खिलाड़ियों पर टूर्नामेंट की अगुवाई में निगरानी रखी जाएगी और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) टी20 टूर्नामेंट के 2023 संस्करण के दौरान अपनी संबंधित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के साथ भी समन्वय करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे चोटों से बचें।

हालांकि बोर्ड ने उन खिलाड़ियों के नामों का खुलासा नहीं किया है जो शॉर्टलिस्ट में हैं, आइए एक नजर डालते हैं कि उन 20 व्यक्तियों में से किसके होने की सबसे अधिक संभावना है।

1- रोहित शर्मा (कप्तान): रोहित भले ही पिछले साल अपने करियर के सबसे कम उर्वर वर्षों में से एक रहे लेकिन वह कप्तान हैं और यह स्पष्ट कर दिया गया है कि उनकी स्थिति को कोई खतरा नहीं है। किसी अन्य खिलाड़ी को उसके आगे पारी की शुरुआत करते देखना मुश्किल है।2- इशान किशनः बांग्लादेश के खिलाफ झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज के रिकॉर्ड दोहरे शतक ने उन्हें रोहित के साथ पारी की शुरुआत करने वाले अन्य सभी उम्मीदवारों से आगे कर दिया।3- शुभमन गिल/शिखर धवनः गिल को सलामी बल्लेबाजों के स्थान के लिए दौड़ में दूसरे स्थान पर देखा गया था लेकिन किशन के रिकॉर्ड तोड़ने वाले शो ने उन्हें स्पष्ट रूप से तीसरी पसंद के लिए नीचे

गिरा दिया। जैसा कि शिखर धवन का है, जिनकी रोहित के साथ भारत के लंबे समय तक सलामी बल्लेबाज के रूप में प्रतिष्ठा चली गई है क्योंकि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टीम की आगामी श्रृंखला के लिए हटा दिया गया था।4- विराट कोहलीः पूर्व कप्तान ने अपने शानदार करियर में वनडे में सबसे अधिक सफलता पाई है। वह उसमें से कुछ को पुनः प्रस्तुत करना चाह रहा होगा, अब जब उसने प्रारूप में सदियों के अपने सूखे को समाप्त कर दिया है।5- श्रेयस अय्यरः अय्यर आसानी से 2022 के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज रहे हैं। वह प्रारूप में भारत के सर्वोच्च रन स्कोरर थे और कुछ समय के लिए ग्यारह में पहले नामों में से एक बने रहेंगे।

6- सूर्यकुमार यादव7- ऋषभ पंत8- केएल राहुल9- हार्दिक पांड्या10- रवींद्र जडेजा11- संजू सैमसन12- वाशिंगटन सुंदर13- जसप्रीत बुमराह14- युजवेंद्र चहल15- कुलदीप यादव16- मोहम्मद शमी17- मोहम्मद सिराज18- अर्शदीप सिंह19- भुवनेश्वर कुमार20- उमरान मलिक

अपने आप को 'ऐसे' रिचार्ज करें; तनाव से रहेंगे हमेशा दूर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 जनवरी , आज के समय में काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना बहुत मुश्किल है. तनाव लगभग सभी के जीवन का हिस्सा बन चुका है। ऑफिस का काम हो या पारिवारिक तनाव, चाहकर भी इस पर काबू पाना आसान नहीं होता। तनाव व्यक्ति के निजी जीवन पर हावी होने लगता है और चिड़चिड़ेपन की ओर ले जाता है। गुस्से में इंसान हर बात पर चिढ़ जाता है और फिर अनिद्रा जैसी समस्या शुरू हो जाती है। ऐसी स्थितियों में छोटे-छोटे बदलाव आपके जीवन को बेहतर बना सकते हैं और तनाव मुक्त बना सकते हैं। आइए जानें कि काम के तनाव को जीवन पर हावी होने से कैसे रोका जाए।

काम जीवन को कैसे प्रभावित करता है

जैसा कि हेल्थ से जुडी तमाम रिपोर्ट बताती है कि यदि दिन का अंत थकावट और हताशा के साथ होता है, तो अपने आप को तनावग्रस्त समझें। इसका मतलब है कि तनाव आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इससे सिरदर्द, अनिद्रा, पाचन संबंधी

समस्याएं, अत्यधिक पसीना, थकान और कमजोरी होती है। ये तनाव के लक्षण हो सकते हैं।

ऐसे करें खुद को रिचार्ज

बिजी लाइफस्टाइल के कारण कई बार हमारे पास अपने लिए समय नहीं होता है। ऐसे में आपको खुद को कुछ मिनट देने की जरूरत है। यह बर्नआउट को रोकने में मदद करता है। काम के दौरान पॉडकास्ट सुनना, मजेदार वीडियो देखना और आराम करना तनाव को कम करने में मदद करता है। छुट्टियों में फोन और लैपटॉप से दूर रहने की कोशिश करें।जीवन में संतुलन बनाना बहुत जरूरी है। इसलिए तनाव मुक्त होने के लिए एक सप्ताह पहले ही योजना बना लें ताकि आपको ज्यादा सोचने की जरूरत न पड़े। कुछ काम पहले से कर लेने से सप्ताहांत का तनाव कम होगा और आप अधिक तनावमुक्त रहेंगे।

संवाद साधना फायदेमंद

तनाव जैसी स्थिति बहुत गंभीर होती है। इसलिए इससे बाहर निकलने के लिए परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बढ़ाएं। ऐसे समय में ये लोग बहुत काम आते हैं। तनाव कम करने में मदद करता है। साथ ही तनाव कम करने के लिए काम को प्राथमिकता देना काफी फायदेमंद रहेगा।

महंत इंद्रेश हॉस्पिटल में आयुष्मान योजना से हुआ राज्य का पहला किडनी प्रत्यारोपण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , माँ की ममता को जब धरती के भगवान-कहे जाने वाले डॉक्टरों का सहारा मिला तो सरकार की आयुष्मान योजना ने अपना असर भी खूब दिखाया और एक ऐसी कहानी सामने आयी जिसको जिसने भी पढ़ी और सुनी वो भावुक हो गया। हम बात कर रहे हैं बीते दिनों देहरादून में देश के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में हुए एक सर्जरी की , यूँ तो इसमें कोई खबर नहीं है कि किसी मरीज़ की किडनी का ट्रांसप्लांट किया गया है। लेकिन ये खबर एक नज़ीर है रिश्तों की , भावनाओं और यूपी उत्तराखंड में मेडिकल फील्ड के भरोसेमंद ब्रांड माने जाने महंत इंद्रेश हॉस्पिटल के डॉक्टर्स के शानदार तालमेल की , लिहाज़ा ये खबर आपको ज़रूर पढनी चाहिए।

अब आपको बताते हैं किस्सा क्या है ये मामला है महंत इन्दिरेश अस्पतालका जहाँ आयुष्मान योजना में उत्तराखण्ड राज्य का पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया। अब तक श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में सफलतापूर्वक 15 मरीजों का किडनी प्रत्यारोपण हो चुका है। आपको यहाँ ये भी बता दें कि श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल उत्तराखण्ड राज्य में आष्युष्मान कार्ड धारकों को सर्वाधिक संख्या में सेवा देने वाला अस्पताल है। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में आयुष्यान योजना के अन्तर्गत किडनी प्रत्यारोपण सेवा मिलने से उत्तराखण्ड के किड्नी मरीजों को बहुत बड़ी राहत मिली है। मैट्रो शहरों में गुर्दा प्रत्यारोपण का कुल व्यय 5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक आ जाता है। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के चेयरमैन श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने सफलतापूर्व गुर्दा प्रत्यारोपण करने वाली टीम के सभी डॉक्टरों, नर्सिंग व अन्य स्टाफ सदस्यों को इस अभूतपूर्व सफलता पर बधाई दी है।

प्रशांत को माँ रीना देवी ने दी अपनी किडनी --

मरीज़ प्रशांत सिंह बिष्ट उम्र 36 वर्ष निवासी देहरादून को उनकी माता रीना देवी ने किडनी दी। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के वरिष्ठ गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ आलोक कुमार, डॉ विवेक रुहेला, डॉ कमल शर्मा, डॉ विवेक विजन, डॉ विमल कुमार दीक्षित व एनेस्थेटिस्ट डॉ आशुतोष की टीम ने मरीज़ का सफलतापूर्वक किडनी प्रत्यारोपण किया। किडनी ट्रांस्प्लांट के बाद मरीज़ स्वस्थ है व पहले की तरह अपने दैनिक कार्य कर पा रहा है।प्रशांत बिष्ट ने किडनी प्रत्यारोपण के बाद अपने अनुभव सांझा करते हुए श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के डॉक्टरों को आभार एवम् धन्यवाद दिया जिनकी वजह से उन्हें नया जीवन मिला है। उन्होंने उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व आयुष्मान योजना के प्रति भी विशेष आभार व्यक्त किया।

क्या कहते हैं महंत इंद्रेश के एक्सपर्ट डॉक्टर्स ये भी जान लीजिये -

किडनी प्रत्यारोपण एक बड़ा ऑपरेशन है। प्रत्यारोपण के बाद मरीज़ व उनके परिजनों को देखभाल पर विशेष ध्यान देना चाहिए। संक्रमण से बचाव, नियमित दवाई व नियमित डॉक्टरी परामर्श बेहद आवश्यक है। किडनी प्रत्यारोपण के बाद मरीज़ सामान्य जीवन जी सकता है बशर्ते वह मेडिकल गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करे। मरीज़ की देखभाल में डॉक्टरों की राय व दवाईंयों के प्रभाव के साथ साथ परिवार वालों की सेवा व समर्पण भाव भी बेहद महत्वपूर्ण है।

मित्र पुलिस : डीआईजी दलीप सिंह कुंवर की दरियादिली से बुजुर्ग फरियादी हुए भावुक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , देश के तमाम राज्यों में ऐसा कम ही होता है जब पुलिस की संवेदनशीलता से लोग भावुक हो जाएं। लेकिन उत्तराखंड की मित्र पुलिस इस मामले में धनी है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वाक्या ही कुछ ऐसा है। देहरादून का डीआईजी दफ्तर , जहाँ डीआईजी / एसएसपी दलीप सिंह कुंवर कुर्सी छोड़ बाहर आये लोग समझ ही नहीं सके कि माज़रा क्या है। उन्होंने मौके पर चौकी प्रभारी को बुलाकर तत्काल अभियोग पंजीकृत करने के दिए निर्देश, मौके से सरकारी वाहन के द्वारा बुजुर्ग व्यक्ति को ससम्मान घर भिजवाया। देहरादून मे जब डीआईजी / एसएसपी ने एक 85 वर्षीय बुजुर्ग दिव्यांग व्यक्ति वंशीधर मेहंदीरत्ता अपनी शिकायत के संबंध में पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पहुंचे तो उन्हें भी उम्मीद नहीं रही होगी कि उन्हें ऐसा अनुभव भी हो सकता है। पुलिस कार्यालय देहरादून में दिव्यांगता के कारण वह सीढियां चढने के असमर्थ थे, जिसकी सूचना प्राप्त होते ही पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपने कार्यालय से बाहर निकलकर स्वयं फरियादी दिव्यांग व्यक्ति से मिलने उनके पास गए। उनसे उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। बुजुर्ग व्यक्ति ने बताया कि उनका पुत्र व पुत्रवधु उनको लगातार प्रताडित करते हैं, जिससे वह काफी त्रस्त हो चुके हैं। डीआईजी ने तत्काल मौके पर सम्बन्धित चौकी प्रभारी को बुलाकर इस प्रकरण में तत्काल अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही यह भी आदेश दिये कि पुलिस समय-समय पर उक्त बुजुर्ग व्यक्ति के घर जाकर उनकी कुशलक्षेम लेते हुए यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उनकी यथासम्भव सहायता करना सुनिश्चित करें। इसके उपरान्त महोदय द्वारा मौके पर ही खड़ी क्षेत्राधिकारी प्रेमनगर के सरकारी वाहन से उक्त बुजुर्ग व्यक्ति को ससम्मान उनके घर भिजवाया गया, जिसका बुजुर्ग व्यक्ति द्वारा तहेदिल से धन्यवाद करते हुए उत्तराखण्ड पुलिस की कार्यशैली एवं दून पुलिस के व्यवहार की भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी।

रमेश चंद्र खुल्बे की सेवानिवृत्ति के साथ उत्तराखंड उच्च न्यायालय में रिक्त पदों की संख्या बढ़कर 5 हो गई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश रमेश चंद्र खुल्बे की 2 जनवरी को आगामी सेवानिवृत्ति के साथ, एचसी में न्यायाधीशों के रिक्त पदों की कुल संख्या अब पांच हो गई है। जस्टिस खुल्बे ने अपने कार्यकाल के दौरान राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध और देवस्थानम बोर्ड को भंग करने समेत कई अहम आदेश पारित किए.निवर्तमान न्यायाधीश आरसी खुल्बे के सम्मान में मुख्य न्यायाधीश की अदालत में दिन के दूसरे पहर में फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में हाईकोर्ट की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया गया है।वर्तमान में मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी के अलावा अन्य जज एसके मिश्रा, मनोज तिवारी, शरद कुमार शर्मा, रवींद्र मैठानी और आलोक वर्मा यहां कुल 11 पदों पर हाईकोर्ट में कार्यरत हैं.शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की पदोन्नति की सिफारिश की है। जस्टिस मिश्रा के झारखंड तबादले के बाद हाईकोर्ट में कुल छह पद खाली होंगे जस्टिस खुल्बे 1987 में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा में शामिल हुए और सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के रूप में उन्होंने बरेली, बदायूं, बिजनौर, नैनीताल और खटीमा में सेवा की। वह 1999 में शाहजहाँपुर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बने।न्यायमूर्ति खुल्बे हल्द्वानी में औद्योगिक न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी भी रह चुके थे और जुलाई 2010 में उत्तरकाशी के जिला न्यायाधीश बने। वह उत्तराखंड के राज्यपाल के कानूनी सलाहकार भी थे और 2018 में उन्हें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था।

संपादकीय

आतंक पर कड़ा रूख

भारत को आतंकवाद के माध्यम से अस्थिर और अशांत करने के पड़ोसी देशों के मंसूबों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कठोर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने भारत की इस नीति को दोहराया है कि हम अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध रखना चाहते हैं, लेकिन कुछ देशों द्वारा आतंक को हथियार बनाये जाने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है. विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि आतंकवाद के सहारे भारत को बातचीत करने के लिए मजबूर भी नहीं किया जा सकता है. यह जगजाहिर तथ्य है कि आतंकवाद पाकिस्तान की विदेश और रक्षा नीति का अहम हिस्सा है. वह दशकों से भारत में आतंकी और अलगाववादी गिरोहों के सहारे अस्थिरता फैलाने की कोशिश में लगा रहता है. कुछ दशक पहले पाकिस्तान ने पंजाब को झुलसाने की कोशिश की थी, पर उसमें वह असफल रहा. कश्मीर में भी पाकिस्तान परस्त गिरोह और संगठन अब पस्त हो चुके हैं. वहां के लोग भी पाकिस्तान के नापाक इरादों को समझ चुके हैं. आतंक के मसले पर पाकिस्तान जब भी घिरने लगता है, तो वह मानवाधिकारों की दुहाई देने लगता है, जबकि इस संबंध में पाकिस्तान का अपना रिकॉर्ड बेहद शर्मनाक रहा है. हाल में दुनिया ने देखा कि पाकिस्तानी विदेश मंत्री और अन्य कूटनीतिज्ञ कश्मीर को लेकर अनाप-शनाप बयान देने लगे थे. पाकिस्तान को समझना चाहिए कि दक्षिण एशिया की शांति को भंग कर वह अपने लिए भी मुसीबत मोल ले रहा है. यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि आतंकी गिरोहों की पाकिस्तान में समानांतर सत्ता चलती है तथा पाकिस्तानी सेना और उसकी कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा उनका इस्तेमाल होता है ताकि पाकिस्तान की सत्ता पर सेना का दबदबा बना रहे. वहां के राजनेता भी अपने स्वार्थों के लिए इस खेल में शामिल होते हैं. चीन न केवल वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी आक्रामकता दिखा रहा है, बल्कि वह पाकिस्तान को उसके भारत-विरोधी पैंतरों में पूरा समर्थन भी करता है. चीन ने पाकिस्तान में बड़ा निवेश किया हुआ है और उसकी अनेक परियोजनाएं वहां चलती हैं. उनकी सुरक्षा के लिए वह भी आतंकी गिरोहों का सहयोग लेता है और उन्हें धन मुहैया कराता है. यह अनायास नहीं है कि सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान में रह रहे कुख्यात आतंकी सरगनाओं को वह बचाता भी रहा है. दुनिया ने देखा है कि जब भी नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान आदि पड़ोसी देशों को आवश्यकता हुई है, भारत ने सबसे पहले सहायता भेजी है. इन देशों के साथ सहयोग बढ़ता ही जा रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पड़ोसी पहले' की नीति पर भारत सरकार काम कर रही है.

विधानसभा के बर्खास्त कार्मिकों ने उपवास रखकर जताया विरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 3 जनवरी , विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन धरने के 15वें दिन सामूहिक उपवास रखकर विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को भी कार्मिकों द्वारा गले में फांसी का फंदा डालकर न्याय की गुहार लगाई गई। विधानसभा के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे कार्मिकों द्वारा विरोध प्रदर्शन लगातार अलग-अलग तरीके से किया जा रहा है। कार्मिकों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता वह किसी भी कदम को उठाने के लिए तैयार हैं। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष एवं सरकार को उनकी बात सुननी ही होगी, पहाड़ के युवाओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार निंदनीय है। कार्मिकों का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष ने बिना उनका पक्ष जाने एकपक्षीय कार्यवाही की है जो न्याय असंगत है।कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें भेदभाव पूर्ण तरीके से बर्खास्त किया गया है। जब राज्य निर्माण के बाद से लेकर अभी तक विधानसभा में भर्ती की प्रक्रिया एक ही जैसी है तो 2016 के बाद वालों पर ही कार्रवाई करना सरासर गलत

तथा अन्याय पूर्ण है। कर्मचारियों का कहना है कि 2001 से लेकर 2015 के बीच नियुक्त कार्मिकों को किस आधार पर बचाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रदीप सिंह, सुरेंद्र सिंह रौतेला, गिरीश सिंह, गोपाल नेगी, ललित धानक, मोहन सिंह, अनिल नैनवाल, कुलदीप सिंह, सोनम गोस्वामी, जीवन सिंह, सुशील, नीरज कुमार, प्रतिभा तिवारी, स्वाति, रविंद्र सिंह रावत, कैलाश अधिकारी, भूपेंद्र सिंह बिष्ट, अजीत सिंह मेहता, ओम प्रकाश, भीम सिंह, गोकुल सिंह सहित समस्त बर्खास्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

तस्करी व चोरी के कारोबार में रहने वालों की अब खैर नहीं, चलने वाला एसएसपी श्वेता चौबे का डंडा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी, 3 जनवरी, एसएसपी श्वेता चौबे ने जनपद पौड़ी गढ़वाल में अपराधों को रोकने का जैसे कोई संकल्प ही ले लिया है, ऐसा दिखाई दे रहा है जैसे वह धीरे-धीरे अपराध की कमर ही तोड़ रही हो. एसएसपी श्वेता चौबे जनपद पौड़ी गढ़वाल को अपराध मुक्त जिला बनाएंगी। आपको बता दे, श्वेता चौबे ने जनपद में आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम, आदतन अपराधियों की निगरानी करने, भविष्य में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जाने तथा अवैध गतिविधियों में संलिप्त आदतन अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। एसएसपी श्वेता चौबे का मानना है की जनपद पौड़ी गढ़वाल को अपराध मुक्त बनाने में एक उम्दा टीम का होना अनिवार्य है जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी कोटद्वार गणेश लाल कोहली के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में कोतवाली कोटद्वार पुलिस ने अभियुक्त करनैल सिंह एवं उत्तम सिंह के शराब के कारोबार, नदीम उर्फ बच्चा के NDPS Act. के मादक पदार्थों तथा राजेन्द्र कुमार के चोरी के अपराधों में लगातार

सक्रिय रहकर, संलिप्त रहने पर विरूद्ध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की गयी। जनपद में ऐसे आदतन अपराधी जो कई अपराधों लगातार संलिप्त हैं, उनके विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही लगातार जारी है।

अभियुक्तगण के आपराधिक इतिहास

(1) करनैल सिंह पुत्र शेर सिंह, निवासी-झूला बस्ती, गाडीघाट, कोटद्वार, जनपद पौडी गढवाल।1- मु0अ0स0 103/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम। 2-मु0अ0स0 305/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम।3- मु0अ0स0 01/23 धारा 3/4 गुण्डा अधिनियम।(2)- नदीम उर्फ बच्चा, पुत्र मौ0 बल्लन, निवासी-लकडी पडाव, थाना-कोटद्वार, जनपद पौडी गढवाल।1- मु0अ0स0 16/22 धारा 8/21 NDPS Act. 2- मु0अ0स0 227/22 धारा 8/21 NDPS Act. 3- मु0अ0स0 293/22 धारा 8/21 NDPS Act.4- मु0अ0स0 02/23 धारा 3/4 गुण्डा अधिनियम।(3) राजेन्द्र कुमार पुत्र स्व नरेश कुमार, निवासी-प्रजापति नगर गाडीघाट, थाना-कोटद्वार जनपद पौडी गढवाल।1- मु0अ0स0 37/22 धारा 25 शस्त्र अधिनियम।2- मु0अ0स0 271/22 धारा 380/411 भा0द0वि0।3- मु0अ0स0 03/23 धारा 3/4 गुण्डा अधिनियम।(4) उत्तम सिंह पुत्र उम्मेद सिंह निवासी झण्डीचौड पूर्वी थाना कोटद्वार जनपद पौडी गढवाल1- मु0अ0स0 44/21 धारा 60 आबकारी अधिनियम।2- मु0अ0स0 254/21 धारा 60 आबकारी अधिनियम। 3- मु0अ0स0 27/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम। 4- मु0अ0स0 286/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम। 5- मु0अ0स0 315/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम।6- मु0अ0स0 04/23 धारा 3/4 गुण्डा अधिनियम।

ऋषभ पंत को संक्रमण का खतरा मिलने वालों से अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 3 जनवरी , उत्तराखंड के रहने वाले भारतीय क्रिकेट टीम युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आईसीयू से प्राइवेट सुइट में शिफ्ट कर दिया गया है। एक्सीडेंट के बाद वह चोट से उबर रहे हैं और इफेक्शन के डर के कारण यह फैसला लिया गया है। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (DDCA) के निदेशक श्याम शर्मा ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

डीडीसीए के निदेशक के निदेशक श्याम शर्मा ने मीडिया को बताया, " संक्रमण के डर से हमने उनके परिवार और अस्पताल प्रशासन से उन्हें प्राइवेट सुइट में शिफ्ट करने को कहा है। उनके हालत में सुधार हो रही है और वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे।" इससे पहले डीडीसीए ने संक्रमण के खतरे के कारण फैंस और वीआईपी लोगों से ऋषभ पंत (Rishabh

Pant) से अस्पताल में मिलने न आने को कहा था।श्याम शर्मा ने कहा था, " जो लोग ऋषभ पंत से मिलने जा रहे हैं, उन्हें इससे बचना चाहिए। संक्रमण के खतरा है। ऋषभ पंत (Rishabh Pant) से मिलने के लिए कोई वीआईपी मूवमेंट नहीं होना चाहिए। उनसे मिलने आने वाले लोगों को इससे बचना चाहिए क्योंकि पंत को संक्रमण होने की आशंका है।" शर्मा ने यह भी बताया था कि ऋषभ पंत ने उनसे कहा था कि कार को गड्ढे से बचाने की चक्कर में दुर्घटना हुई थी

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

भारत जोड़ो यात्रा में क्यों होने लगी सुरक्षा प्रोटोकॉल की चर्चा, जानिए नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , , कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सुरक्षा में चूक को लेकर हंगामा जारी है. पार्टी ने इंदिरा और राजीव गांधी की हत्या का आरोप लगाते हुए गृह मंत्रालय को पत्र लिखा। 24 दिसंबर को दिल्ली में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल की सुरक्षा में चूक हुई थी। पिछले 10 महीने में राहुल गांधी की सुरक्षा में 5 बार चूक की खबरें आ चुकी हैं. पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश में राहुल की सुरक्षा ढीली थी। सीआरपीएफ ने राहुल की सुरक्षा में चूक को लेकर भी बयान दिया था। राहुल गांधी को Z+ सुरक्षा दी गई है.

– रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में राहुल पंजाब के लुधियाना में रोड शो करने पहुंचे थे। इसी दौरान एक युवक ने काफिले पर झण्डा फेंका जो सीधे राहुल को लगा।

– जून 2022 में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद राहुल गांधी पंजाब के पटियाला स्थित उनके घर पहुंचे. इसी दौरान उनका काफिला रूट से अलग हो गया।

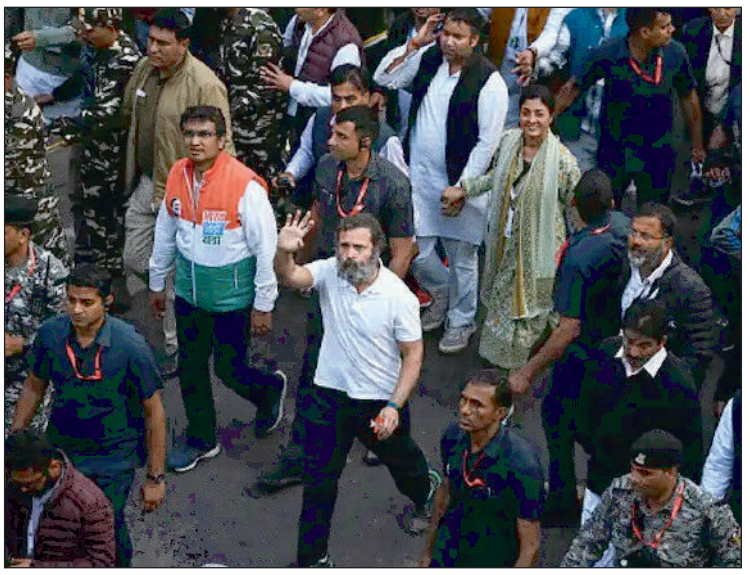

– 4 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा एमपी के आगर मालवा पहुंचे। वहां एक युवक ने सुरक्षा घेरा तोड़कर राहुल को गले लगा लिया।

– 10 दिसंबर को राजस्थान के कोटा में एक युवक ने राहुल के सामने सुरक्षा घेरा तोड़कर खुद को आग लगा ली। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला।– 24 दिसंबर को जब यात्रा दिल्ली में दाखिल हुई तो भीड़ ने घेरा तोड़ दिया। कांग्रेस का आरोप है कि सुरक्षाकर्मी उन्हें संभालने में नाकाम रहे।

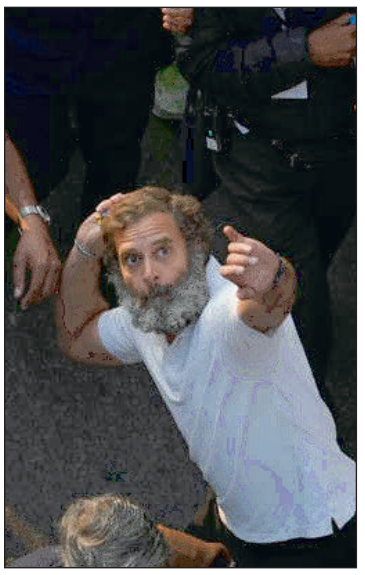

सुरक्षा नियम तोड़ने में राहुल भी कम नहीं

1. राहुल गांधी 2015 से 2019 तक एसपीजी कवर में थे। सरकार के मुताबिक, इस दौरान राहुल ने दिल्ली में 1,892 बार और दिल्ली के बाहर 245 बार सुरक्षा नियम तोड़े.

2. सीआरपीएफ के मुताबिक, राहुल गांधी ने 2020 से अब तक 113 बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया है. इसकी जानकारी राहुल को समय-समय पर दी जाती रही।

दादी और पिता पर पहले भी हो चुका है हमला

1984 में राहुल की दादी इंदिरा गांधी की उनके सुरक्षाकर्मियों ने हत्या कर दी थी. उस समय इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठे थे. इंदिरा गांधी की हत्या के 7 साल बाद राहुल के पिता राजीव गांधी की हत्या हुई थी.

एक सुरक्षा प्रोटोकॉल क्या है ?

– सुरक्षा पाने वाले व्यक्ति के घर और ऑफिस पर हमेशा सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं।

– यदि रक्षित व्यक्ति किसी स्थान की यात्रा करना चाहता है तो पहले मार्ग का निर्धारण किया जाता है।

– इसके बाद एडवांस सिक्योरिटी से संपर्क किया जाता है।

स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी दूर करेगा अलग कैडर : डॉ आर राजेश कुमार, सचिव स्वास्थ्य

- भारत सरकार में संयुक्त सचिव विशाल चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक
- प्रदेश में स्वास्थ्य गतिविधियों में तेजी लाने को लेकर अहम बैठक हुई संपन्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 3 जनवरी ,स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी को दूर करने हेतु अलग कैडर बनाए राज्य सरकार यह बात सचिवालय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव विशाल चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान कही। संयुक्त सचिव द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति हेतु कुछ ऐसे प्रावधान करें जिसमें मानदेय, पदोन्नति संबंधी, आदि का प्रावधान कर इन पदों को भरा जा सके। बैठक के दौरान संयुक्त सचिव द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत हो रहे स्वास्थ्य इकाइयों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने की बात कही तथा विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने हेतु निर्देश दिए। साथ ही टीबी उन्मूलन, वित्तीय स्थिति, क्वालिटी अनुसरण, अंधता निवारण, आदि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यक्रमों की समीक्षा की व आश्वासन दिया कि भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को स्वास्थ्य संबंधित हर तरह का सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखंड

में खर्च का विवरण, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग, आपातकालीन कोविड प्रतिक्रिया पैकेज (ई.सी.आर.पी.) कार्यान्वयन व अन्य विषयों पर भी समीक्षा की गई।बैठक में सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा डॉ. आर. राजेश कुमार, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. विनीता शाह, अपर सचिव स्वास्थ्य अमनदीप कौर, निदेशक एनएचएम डॉ. सरोज नैथानी, वित्त नियंत्रक (प्रभारी) एनएचएम जेसी जोशी, उप निदेशक पंचायती राज मनोज कुमार तिवारी, सहायक निदेशक शहरी विकास अशोक पांडेय, प्रभारी अधिकारी डॉ. अजय कुमार नगरकर, डॉ. फरीदुजफर, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. पकंज सिंह, डॉ. मुकेश राय, राज्य लेखा प्रबंधक एनएचएम आरके भट्ट आदि अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

350cc रॉयल एनफील्ड बुलेट सिर्फ 18,700....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

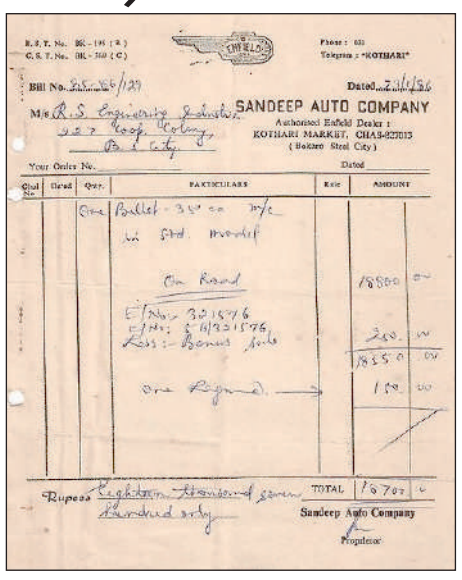

क्रूजर बाइक्स के लिए एक ब्रांड के रूप में रॉयल एनफील्ड के अपने फैनबेस हैं। ब्रांड की बुलेट 350 बाइक भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक्स में से एक है और दशकों से देश के कोने-कोने से लोग इस बाइक को खरीद रहे हैं।वर्तमान में, एक बुलेट 350 की कीमत लगभग 1.50 लाख से 1.70 लाख (पंजीकरण को छोड़कर) है, लेकिन 1986 के एक बिल के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इंटरनेट आश्चर्य में है, जो बुलेट 350 की कीमत सिर्फ 18,700 है।बिल की तस्वीर एक हैंडल द्वारा शेयर की गई है जो खुद को रॉयल एनफील्ड उत्साही होने का दावा करता है और उसके प्रोफाइल में कई पुरानी बाइक्स की तस्वीरें हैं।यह बिल करीब 36 साल पुराना है और संदीप ऑटो कंपनी नामक एक डीलर द्वारा जारी किया गया है, जो झारखंड के बोकारो जिले में स्थित था।Royal Enfield एक जाना-माना ब्रांड है और Bullet 350 के अलावा अब इस ब्रांड की कई बाइक्स मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं. बाइक का उपयोग भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में गश्त करने के लिए भी किया जाता है और इसे अपनी मजबूत निर्मित गुणवत्ता और शक्तिशाली इंजन के साथ एक विश्वसनीय विकल्प माना जाता है।ब्रांड समय के साथ खुद को नया करता और अपग्रेड करता रहता है और 350 सीसी

इंजन के अलावा, अपनी कई बाइक्स के लिए 650 सीसी इंजन भी लॉन्च किया है। ब्रांड के बुलेट संस्करण में अभी के लिए 650 सीसी इंजन नहीं है, लेकिन कंपनी के सूत्रों का दावा है कि वह जल्द ही नए, उन्नत इंजन की घोषणा कर सकती है।

दूसरों की नेटफ्लिक्स आईडी इस्तेमाल करने वालों के लिए बुरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यदि आप उनमें से एक हैं जो नेटफ्लिक्स को पसंद करते हैं और एक दोस्त के खाते का उपयोग करके आराम करते हैं, तो इस नए साल में स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म इस व्यवस्था को जल्दी समाप्त करके आपकी परेड पर बारिश करने की योजना बना रहा है। जी हां, नेटफ्लिक्स 2023 से पासवर्ड-शेयरिंग फीचर को खत्म करने की योजना बना रहा है, रिपोर्ट्स बताती हैं। जबकि कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है, नेटफ्लिक्स की हालिया दरार की रिपोर्ट वर्षों से मंच के रूप में आती है, जिसमें ग्राहकों के नीचे जाने के पीछे एक प्रमुख चिंता के रूप में पासवर्ड साझा करने का हवाला दिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, नेटफ्लिक्स के अनुसार सब्सक्रिप्शन के लिए भुगतान करने वाले 222 मिलियन परिवारों के अलावा खातों को ₹100 मिलियन से अधिक परिवारोंᕨ के

साथ साझा किया जा रहा है। यह आंकड़ा संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में 30 मिलियन से अधिक परिवारों का भी प्रतिनिधित्व करता है जो नेटफ्लिक्स सदस्यता के लिए भुगतान नहीं कर रहे हैं। पेश किए जाने पर, कार्यक्रम भारत से पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरू किया जाएगा।

1 नेटफ्लिक्स को 2023 की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका में नई नीति अपडेट शुरू करने की उम्मीद है।

2 खाता साझा करने की अनुमति केवल उन उपयोगकर्ताओं को दी जाएगी जो एक साथ रहते हैं।

3 प्लेटफॉर्म यह सुनिश्चित करेगा कि वह आईपी एड्रेस, डिवाइस यूजर आईडी और अकाउंट एक्टिविटी के आधार पर नियम लागू करे।

4 ओटीटी दिग्गज उपयोगकर्ताओं को अपने सब्सक्रिप्शन का उपयोग करके पे-पर-व्यू सामग्री को किराए पर लेने में सक्षम बनाने पर भी विचार कर सकते हैं क्योंकि यह उपयोगकर्ताओं को अपने लॉगिन क्रेडेंशियल्स को दूसरों के साथ साझा करने से हतोत्साहित करेगा जो उनके नेटफ्लिक्स बिलों को बोझ कर सकते हैं।

5 स्ट्रीमिंग सेवा भविष्य में अतिरिक्त विज्ञापन-समर्थित सब्सक्रिप्शन पैकेज लॉन्च करने पर भी विचार कर रही है।

6 2020 के बाद से, नेटफ्लिक्स ने ग्राहकों की संख्या में वृद्धि के बावजूद राजस्व में कमी देखी है, जो खाता साझा करने का प्रत्यक्ष परिणाम है।

7 यूके में, नेटफ्लिक्स, अमेज़ॅन प्राइम, एचबीओ इत्यादि जैसे किसी भी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का पासवर्ड साझा करना अवैध बना दिया गया है क्योंकि खातों को साझा करना देश के कॉपीराइट कानून के खिलाफ है।

8 इस साल की शुरुआत से, नेटफ्लिक्स उन लोगों के लिए एक अतिरिक्त शुल्क पेश करने की योजना बना रहा है जो अपने खाते को अपने घर के बाहर साझा करते हैं। कुछ लैटिन अमेरिकी देशों में इसके लिए परीक्षण पहले से ही चल रहे हैं।